सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

प्रेरणा

हर दिन खुद को थोड़ा बेहतर बनाइए—एक दिन आपकी छोटी-छोटी मेहनत आपकी बड़ी पहचान बन जाएगी।

साप्ताहिक मौसम

दिन	अधिकतम	न्यूनतम
शुक्रवार	30°	21°
शनिवार	31°	22°
रविवार	30°	23°
सोमवार	32°	23°
मंगलवार	34°	22°
बुधवार	36°	24°
वीरवार	37°	24°

*आंकड़े आईएमडी के अनुसार

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-8 • 09 OCTOBER TO 15 OCTOBER 2026 • VOLUME 12 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

CONFUSED ABOUT CAREER!
Unsure of what to do after 10th/12th/Graduation?
Whether to Study in India or Abroad?



What should I do after 10th-Science, Commerce or Arts?
Should I consider Computer or Mechanical Engineering?
What is better for me - MBA in Marketing or MBA in Finance?
Should I pursue Chartered Accountancy or Law after 12th?
Do I have the aptitude for Architecture and Designing?
Get Career Guidance from our Expert Career Counseling Team Free of Cost

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact :9317776662, 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

डीपफेक की चुनौती से निपटने के लिए वैश्विक ढांचे की जरूरत : मोदी

प्रधानमंत्री ने 10वें इंडिया मोबाइल कांग्रेस का उद्घाटन किया

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली



प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में 10वें इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) का उद्घाटन किया। एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मील के पत्थर के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री ने 8 अक्टूबर को वायु सेना दिवस के रूप में सम्मानित किया जिसमें उन्होंने देश के बहादुर हवाई रक्षकों को अपने शुरुआती विचार समर्पित किए। उन्होंने आसमान की रक्षा करने वाले साहसी कर्मियों को गर्व से सलाम किया। प्रधानमंत्री ने कहा, 'मैं अपने सभी बहादुरों को नमन करता हूं और देश को वायु सेना दिवस की शुभकामनाएं देता हूं।'

एक महत्वपूर्ण व्यक्तिगत उपलब्धि पर विचार करते हुए प्रधानमंत्री ने एक दिन पहले सरकार के प्रमुख के रूप में निरंतर सेवा के ठीक 25 साल पूरे करने के लिए अपना गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रत्येक नागरिक और अंतरराष्ट्रीय मित्र को हार्दिक धन्यवाद दिया जिन्होंने सार्वजनिक सेवा की इस स्वाभाविक यात्रा में उनका समर्थन किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं दुनिया भर के हर देशवासी और भारत के हर मित्र को उनकी शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त करता हूं।

लंबे समय तक चलने वाली सफलता का ज़िक्र करते हुए, प्रधानमंत्री ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस की 10वीं वर्षगांठ मनाई और साथ ही देश में जीएसएमए बोर्ड की बैठक की मेज़बानी करने के खास सम्मान का भी ज़िक्र किया। उन्होंने वहां मौजूद टेलीकॉम ऑपरेटरों, इंडस्ट्री के लीडर्स, शिक्षाविदों और स्टार्टअप्स के पूरे ग्लोबल इकोसिस्टम का दिल से स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने महान अभिनेता नाना पाटेकर के निधन के बारे में सुबह की दुखद खबर साझा की। उन्होंने पर्दे पर विविध प्रकार के पात्रों को जीवंत करके लगातार दर्शकों का दिल जीतने के लिए शानदार कलाकार की प्रशंसा की। मोदी ने कहा, 'वह एक शानदार कलाकार थे, जिन्होंने विभिन्न पात्रों के माध्यम से दर्शकों का दिल जीत लिया।'

दिवंगत अभिनेता की गहन राष्ट्रीय भावना की प्रशंसा करते हुए, प्रधानमंत्री ने नाना पाटेकर को एक स्वतंत्र आत्मा के रूप में वर्णित किया, जिनका जीवन पूरी तरह से तिरंगे के सम्मान और गौरव के लिए समर्पित था। उन्होंने दिवंगत अभिनेता को एक सिनेमाई क्रांतिकारी के रूप में वर्णित किया, जिनके तीखे संवाद और शक्तिशाली चुप्पी ने सामाजिक बुराइयों और राष्ट्र विरोधी तत्वों के खिलाफ लगातार प्रहार किया। मोदी ने कहा, 'मैं नाना पाटेकर जी को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और उनके परिवार के सदस्यों और प्रशंसकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।'

इंडिया मोबाइल कांग्रेस के लेंस के माध्यम से डिजिटल कनेक्टिविटी के उल्लेखनीय विकास का पता लगाते हुए, प्रधानमंत्री ने 2022 में उसी चरण से 5जी लॉन्च करने और 2023 में इसके बड़े पैमाने पर विस्तार की भविष्यवाणी करने को याद किया। उन्होंने गर्व से घोषणा की कि 5जी नेटवर्क, जो अब 5.5 लाख से अधिक बेस स्टेशनों से काम कर रहा है, सफलतापूर्वक हर एक जिले तक पहुंच गया है, जिससे इंटरनेट की गति दस गुना बढ़ गई है। मोदी ने जोर देकर कहा, 'आज हम सभी देख रहे हैं कि देश के हर जिले में 5जी कनेक्टिविटी पहुंच गई है।'

प्रधानमंत्री ने चेतावनी दी कि साइबर धोखाधड़ी और डीपफेक वैश्विक कमजोरियों का फायदा उठाते हैं, जिसके लिए सरकारों, तकनीकी कंपनियों, ऑपरेटरों और वित्तीय संस्थानों को एकजुट करने के लिए एक तत्काल, समन्वित वैश्विक ढांचे की आवश्यकता होती है। उन्होंने जीएसएमए को स्पष्ट रूप से चुनौती दी कि वह अंतिम उपयोगकर्ता तक पहुंचने से पहले धोखाधड़ी को रोकने में सक्षम सक्रिय तंत्र तैयार करने में मदद करे। प्रधानमंत्री ने कहा, 'भारत अपने अनुभवों को दुनिया के साथ साझा करने के लिए हमेशा तैयार है।'

जीएसटी पर बड़े फैसले: गिरफ्तारी की शक्ति खत्म, मुकदमे की सीमा पांच करोड़ रुपये

नई दिल्ली. केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि जीएसटी काउंसिल ने टैक्स अधिकारियों की गिरफ्तारी की शक्ति खत्म कर दी है और मुकदमा चलाने की सीमा को 1 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये कर दिया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी काउंसिल ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर छोटे विक्रेताओं के लिए आसान नियमों को भी मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि रेट का ढांचा तय हो चुका है, इसलिए काउंसिल अब इस बात पर ध्यान दे रही है कि टैक्स रोज़ाना कैसे काम करता है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जीएसटी रेट में बदलाव अब साल में एक बार होगा।



उन्होंने कहा कि उसी अनुभव के आधार पर, अब हम सीजीएसटी एडमिनिस्ट्रेशन में भी इस सुधार को आगे बढ़ाना चाहते हैं। यह आज की मीटिंग के एजेंडा में शामिल नहीं था। यह आज की जीएसटी काउंसिल की मीटिंग का विषय भी नहीं है। हम इस मौक़े का फ़ायदा उठाकर इसकी घोषणा कर रहे हैं। काउंसिल ने आज इस मुद्दे पर विचार-विमर्श किया और इस गड़बड़ी को दूर करने के तरीकों पर चर्चा की। इसमें असली टैक्सपेयर की चिंताओं का ध्यान रखने और साथ ही आईटीसी के गलत इस्तेमाल को रोकने के बीच संतुलन बनाना शामिल था।

सीतारमण ने कहा कि कई राज्यों के सुझावों और सहकारी संघवाद की भावना को ध्यान में रखते हुए, इस मामले की और जांच के लिए अधिकारियों की एक कमेटी बनाने का फैसला किया गया जो तीन महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। यह भी 1 अप्रैल 2027 से लागू होने वाले एजेंडे का हिस्सा होगा।

दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का 75 वर्ष की उम्र में निधन

पणजी. एक्टर नाना पाटेकर का गुरुवार को निधन हो गया। वे गोवा के डोना पाउला स्थित अपने घर पर बेहोश पाए गए थे और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। नाना पाटेकर 75 वर्ष के थे। उनके निधन की खबर ने सभी को हैरान कर दिया। बताया जा रहा है कि नाना पाटेकर को सुबह 5:20 बजे मृत घोषित किया गया। शुरुआती जांच से पता चलता है कि उन्हें कार्डियक अरेस्ट हुआ था। अस्पताल लाए जाने के बाद डॉक्टरों ने उन्हें होश में लाने की लगभग 45 मिनट तक कोशिश की, लेकिन उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।



देशव्यापी बैंकिंग भर्ती फर्जीवाड़े का भंडाफोड़

नई दिल्ली (जालंधर ब्रीज). केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली, बिहार, हरियाणा और पश्चिम बंगाल में सक्रिय एक व्यापक प्रतिरूपण और धोखाधड़ी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में एक सीजीएसटी निरीक्षक सहित चार प्रमुख आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनेल सिलेक्शन (आईबीपीएस) की शिकायत पर दर्ज एफआईआर के बाद सीबीआई की स्पेशल टास्क ब्रांच मुंबई ने कई राज्यों में समन्वित छापेमारी की और चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने चयन प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में वास्तविक अभ्यर्थियों के स्थान पर स्वयं परीक्षा देकर और साक्षात्कार में उपस्थित होकर धोखाधड़ी से प्रवेश किया। इस तरह उन्होंने वास्तविक अभ्यर्थियों के अधिकार और अवसरों को नुकसान पहुँचाया। इस गिरोह में शामिल अन्य व्यक्तियों की भूमिका के संबंध में सीबीआई की जांच अभी जारी है।

सैनिटरी इंस्पेक्टर को 5 लाख रुपये रिश्वत लेते पकड़ा

नई दिल्ली (जालंधर ब्रीज). सीबीआई ने रिश्वतखोरी के एक मामले में चंडीगढ़ नगर निगम में तैनात एक सैनिटरी इंस्पेक्टर को 5 लाख रुपये की रिश्वत मांगते और स्वीकार करते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी पर ठेकेदार की फर्म के लंबित और भविष्य के बिलों की प्रोसेसिंग एवं क्लियरेंस के लिए 14 लाख रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप है। गिरफ्तारी के बाद सीबीआई ने आरोपी के आवास और कार्यालय परिसर में तलाशी भी ली। तलाशी के दौरान मामले से संबंधित आपत्तिजनक दस्तावेजों के अलावा अचल संपत्ति से जुड़े दस्तावेज भी बरामद किए गए।

निवेशकों की पहली पसंद बनेगा पंजाब हर मंजूरी सिंगल विंडो से : सीएम मान

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). कारोबार में सुगमता, पारदर्शिता और रोजगार पैदा करने पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करते हुए पंजाब निवेशकों के लिए प्राथमिकता वाले स्थान के रूप में उभर रहा है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज इस दिशा में चंडीगढ़ में 'हुनर पंजाब' और 'फास्ट-ट्रैक पंजाब' पोर्टल लॉन्च किए। उन्होंने कहा कि ये नए पोर्टल 45 दिनों के भीतर सिंगल विंडो के माध्यम से सभी आवश्यक मंजूरियां सुनिश्चित करेंगे, निवेशकों को वित्तीय प्रोत्साहनों की पारदर्शी तरीके से निगरानी करने में सक्षम बनाएंगे और उद्योगों को कुशल युवाओं से सीधे जोड़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब ने वर्ष 2022 से अब तक 1.89 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया है, जिससे 6.31 लाख नए रोजगार पैदा हुए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार की पहल का उद्देश्य राज्य के



युवाओं के लिए पंजाब में ही रोजगार के अवसर पैदा करना और फिर से 'रंगला पंजाब' का निर्माण करना है।

पोर्टल लॉन्च करने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सीएम मान ने कहा कि 'हुनर पंजाब' पोर्टल पर पहले ही लगभग 1,750 संस्थान पंजीकृत हो चुके हैं और औद्योगिक क्षेत्र में रोजगार के अवसरों के लिए स्थानीय कुशल युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। कंपनियां अब इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से कुशल युवाओं से सीधे जुड़कर उन्हें नौकरी पर रख सकेंगी।

ओएसडी राजबीर घुम्मन ने सीबीआई कार्रवाई को हाई कोर्ट में दी चुनौती

चंडीगढ़. पंजाब के मुख्यमंत्री कार्यालय में ओएसडी राजबीर सिंह घुम्मन ने अपने खिलाफ सीबीआई की ओर से दर्ज एफआईआर और इसके बाद की गई तलाशी कार्रवाई को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में चुनौती दी है। घुम्मन ने दावा किया है कि उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू करने से पहले भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत पंजाब सरकार से अनिवार्य पूर्व स्वीकृति नहीं ली गई। उनका कहना है कि जिस मामले में सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की, वह उनके सरकारी कार्यों और अधिकारियों के स्थानांतरण व तैनाती से जुड़े कथित निर्णयों से संबंधित है। ऐसे में धारा 17ए की सुरक्षा लागू होती है।



याचिका के अनुसार घुम्मन को पंजाब सरकार ने 31 मार्च 2022 के आदेश के तहत मुख्यमंत्री कार्यालय में विशेष ड्यूटी अधिकारी नियुक्त किया था। याचिका में कहा गया है कि पांच अक्टूबर 2026 को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट की एक खंडपीठ ने एक अलग याचिका में सीबीआई को मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच आगे बढ़ाने का निर्देश दिया था।

चुनाव आयोग विवाद पर विपक्षी गठबंधन का प्रदर्शन राजघाट पर बापू को नमन कर मांगा इस्तीफा

नई दिल्ली. विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं ने निर्वाचन आयोग के मामले को लेकर गुरुवार को लगातार तीसरे दिन अपना प्रदर्शन जारी रखा और महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कहा कि उन्होंने 'सरकार को सद्बुद्धि देने' और 'वोट चोरी बंद होने' के लिए प्रार्थना की है। विपक्षी दलों ने यह भी कहा कि 'वोट चोरी' के खिलाफ और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर उनका अभियान जारी रहेगा। उन्होंने इस पूरे प्रकरण को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मिलने का समय मांगा है और राष्ट्रपति भवन से जवाब का इंतजार कर रहे हैं।



कुछ स्थानों पर वामपंथी छात्र संगठन आइसा और एआईएसएफ के कार्यकर्ता भी नारे लगाते तथा डफली बजाते नजर आए। कनॉट प्लेस में आयोजित दोपहर के भोज में खरगे के अलावा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, तृणमूल कांग्रेस के अभिषेक बनर्जी, समाजवादी पार्टी के राजीव राय तथा मोहिबुल्ला नदवी एवं कई अन्य विपक्षी दलों के नेता शामिल हुए। समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधियों की मौजूदगी अहम थी क्योंकि विपक्ष के बुधवार के प्रदर्शन में पार्टी का कोई नेता शामिल नहीं हुआ था। सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) और शिवसेना (उबाठा) का कोई भी सांसद गुरुवार को भोज में शामिल नहीं हो सका क्योंकि इन दलों का कोई सांसद दिल्ली में नहीं था। विपक्षी दल मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग के साथ-साथ निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर सरकार व आयोग पर लगातार निशाना साध रहे हैं।

श्री गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व को समर्पित संत महापुरुषों के साथ हुई विशेष मीटिंग

चार शोभायात्राओं के रूट तय : दीपक बाली

कहा- बनारस, बठिंडा, फरीदकोट और जम्मू से चार शोभायात्राएं निकाली जाएंगी, जो 3 दिसंबर को श्री खुरालगढ़ साहिब पहुंचेंगे

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़



पंजाब सरकार के सांस्कृतिक विभाग द्वारा पवित्र श्री गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व को समर्पित एक उच्च स्तरीय खास मीटिंग आज संस्कृति विभाग का कार्यालय में संत महापुरुषों की मौजूदगी में हुई, जिसमें अब तक हुए समारोह और आने वाले समारोह के बारे में विस्तार से विचार विमर्श हुआ। यह जानकारी पंजाब के पर्यटन और सांस्कृतिक मामलों के विभाग के सलाहकार दीपक बाली ने दी। मीटिंग में संत महापुरुष संत गुरदीप गिरी जी (पठानकोट), संत प्रदीप दास जी (डेरा कठार), संत केवल जी (तप अस्थान श्री खुरालगढ़ साहिब) और संत सतविंदर सिंह हीरा जी (खुरालगढ़ साहिब) खास तौर पर मौजूद थे। दीपक बाली ने सभी संत महापुरखों का स्वागत करते हुए बताया कि पंजाब सरकार की तरफ से करवाए गए 92 ड्रोन शो में से करीब 80 ड्रोन शो और 12 कीर्तन समागम में से करीब 9 कीर्तन समागम अब तक कामयाबी से पूरे हो चुके हैं, जबकि बाकी समारोह भी सिलसिलेवार तरीके से जारी हैं।

विभाग के डायरेक्टर संजीव तिवारी ने बताया कि चार शोभायात्राएं अलग-अलग जगहों से शुरू होकर श्री खुरालगढ़ साहिब पहुंचेंगीं। पहली शोभायात्रा 29 नवंबर को गुरु साहिब के जन्म स्थान बनारस काशी से शुरू होगी और एक खास प्रोग्राम के बाद 3 दिसंबर की शाम तक श्री खुरालगढ़ साहिब पहुंचेगी। दूसरी शोभायात्रा 2 दिसंबर को बठिंडा से शुरू होगी और अलग-अलग शहरों में रुकते हुए 3 दिसंबर की रात को पहुंचेगी। तीसरी शोभायात्रा 1 दिसंबर को फरीदकोट से शुरू होगी और लुधियाना और फगवाड़ा होते हुए 3 दिसंबर की रात को पहुंचेगी। चौथी शोभायात्रा जम्मू से शुरू होगी और पठानकोट, अमृतसर, जालंधर और होशियारपुर होते हुए श्री खुरालगढ़ साहिब पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि 4, 5 और 6 दिसंबर को श्री खुरालगढ़ साहिब में बड़े कार्यक्रम रखे गए हैं। पहले दिन अखंड पाठ साहिब आरंभ होगा और संत सम्मेलन करवाया जाएगा। दूसरे दिन कथा कीर्तन दरबार, सेमिनार और प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। तीसरे दिन अखंड पाठ साहिब के भोग डाले जाएंगे और बेगमपुरा समागम आयोजित किया जाएगा। तीनों दिन शाम को गुरु साहिब के जीवन और शिक्षाओं को दिखाने वाले ड्रोन शो भी आयोजित किए जाएंगे।

इस मौके पर संत कुलदीप गिरी जी ने संगत को संबोधित करते हुए कहा कि श्री गुरु रविदास महाराज जी के 650वें प्रकाश दिवस को मनाने के लिए समय मिलना पूरी संगत के लिए बहुत खुशनसीबी की बात है और उन्होंने सभी से आने वाले कार्यक्रमों में हिस्सा लेने की अपील की।

श्री आनंदपुर साहिब घटनाक्रम की जांच के लिए तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन: बलतेज पन्नू

बोले- एसआईटी पता लगाएगी कि महिला बहरीन से कैसे आई, रहने का इंतज़ाम किसने किया व सुविधाओं को किसने मंज़ूरी दी

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

आप पंजाब मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू ने गुरुवार को एक बार फिर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए और श्री आनंदपुर साहिब सराय मामले पर एसजीपीसी प्रधान हरजिंदर सिंह धामी और इसके "चीफ पैट्रन" सुखबीर सिंह बादल से जवाब मांगा। उन्होंने एसजीपीसी सराय में महिला के रहने, इलाज के लिए 1 लाख रुपये देने और रजिस्टर में गड़बड़ियों के बारे में एसजीपीसी प्रधान द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण पर सवाल उठाए। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आप पंजाब मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू ने कहा, "मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने श्री आनंदपुर साहिब में हुई पूरी घटना की जांच के लिए तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन किया है। एसआईटी का पंजाब पुलिस ऑफिसर गुरबंस सिंह बैंस नेतृत्व कर रहे हैं, जबकि सिमरनजीत सिंह लंग और करण सिंह संधू इसके मेंबर हैं। इस जांच से कई ऐसे सवाल सुलझ जाएंगे जो अब तक अनसुलझे हैं।" उन्होंने कहा, "जांच से पता चलेगा कि महिला बहरीन से कैसे आई, श्री आनंदपुर साहिब में एसजीपीसी सराय में उसके आने और रहने का इंतज़ाम किसने किया, उसे क्या इंतज़ाम और सुविधाएँ दी गईं, इन सुविधाओं को किसने मंज़ूरी दी, और उसे महीनों तक वहाँ कैसे रहने की इजाज़त कैसे दी गई।



आप पंजाब के मीडिया इंचार्ज ने दावा किया, "भगवंत सिंह मान सरकार ने अब पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं, जिससे कई ऐसे सवालों के जवाब मिल जाएँगे जो अब तक अनसुलझे थे। यह मुद्दा किसी संस्था को बदनाम करने का नहीं है। एसजीपीसी एक सम्मानीय संस्था है, लेकिन अगर इसके मैनेजमेंट और श्री आनंदपुर साहिब में हुई घटनाओं पर सवाल उठे हैं, तो उन सवालों के जवाब मिलने चाहिए। जनता और अलग-अलग सिख संगठनों द्वारा उठाए जा रहे सवालों के बाद सरकार ने अब औपचारिक जांच के आदेश दिए हैं।"

मंजिल से ज्यादा खूबसूरत है सफर! भारत के इन 3 ट्रेन रूटों पर दिखेंगे जन्नत जैसे नजारे

Travelling सफर खूबसूरत है मंजिल से भी... आपने गाने की यह लाइन जरूर सुनी होगी लेकिन क्या आप जानते हैं भारत में कुछ ऐसे ट्रेन रूट हैं, जो वाकई बेहद आकर्षक हैं। इन रूटों को देखते ही आपका दिल-दिमाग खुश हो जाएगा। चलिए इनके बारे में बताते...

• **जालंधर ब्रीज** . फीचर

हम सभी कही भी घूमने जाते हैं, तो हमें उस जगह को लेकर एक्साइटमेंट रहती है और वहां पहुंचने की जल्दी होती है। कोई हिल स्टेशन हो या फिर बीच सिटी, कोई ऐतिहासिक जगह हो या फिर मॉडर्न सिटी। कही भी जाने पर हमें जगह को लेकर खुशी होती है लेकिन कुछ रास्ते ऐसे होते हैं, जो मंजिल से ज्यादा खूबसूरत होते हैं।

अगर आप कभी इन रास्तों से गुजरेंगे तो मन करेगा कि कुछ देर के लिए यही रुक जाए। आज हम आपको 3 ऐसे रास्तों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें आप ट्रेन की खिड़की से देख सकते हैं। इन सुंदर नजारों को देखते ही आपका मन खुश हो जाएगा, चलिए इन रूटों के बारे में बताते हैं।

खूबसूरत नजारों वाले ट्रेन रूट

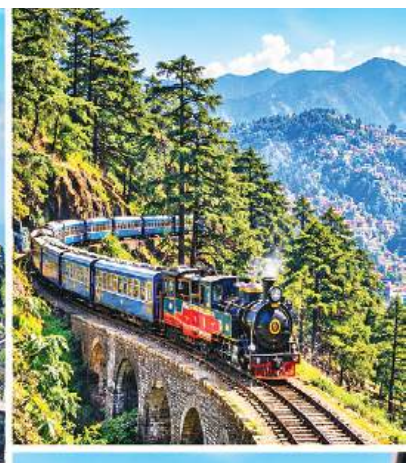
1. श्री मलंगगड फनिक्युलर रोपवे ट्रेन रूट

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में कल्याण और अंबरनाथ के पास स्थित श्री मलंगगड फनिक्युलर रोपवे ट्रेन को जनवरी 2026 में शुरू किया गया था। इसे भारत सबसे लंबी फनिक्युलर रेलवे परियोजनाओं में से एक बताया जाता है। इस रोपवे के जरिए पहाड़ी तक पहुंचने का रास्ता आसान हो गया है और इसी पहाड़ी पर श्री मलंगगढ़ महादेव मंदिर और हाजी मलंग दरगाह स्थित हैं। यहां पहुंचने के लिए कल्याण रेलवे स्टेशन से मलंगगड के लिए बस मिलती है, जिसके बाद टैक्सी से पहाड़ी तक पहुंचा जा सकता है। रोपवे की राउंड ट्रिप की प्रति व्यक्ति टिकट 150 रुपये है। वहीं 3 से 12 साल की उम्र के बच्चों के लिए टिकट 75 रुपये का है। सोमवार से शुक्रवार तक रोपवे सुबह 7 बजे से रात 8 बजे तक चलता है, जबकि शनिवार और रविवार को इसकी सेवा सुबह 7 बजे से रात 11 बजे तक रहती है। इस स्टेशन पर फूड कोर्ट भी है, इसलिए खाने-पीने की समस्या नहीं होती। रोपवे सफर के दौरान आपको पहाड़ों, घाटियों और झरनों के खूबसूरत नजारे दिखाई देंगे। ऊपर पहुंचने के बाद टूरिस्ट पैदल यात्रा कर नीचे वापिस आ सकते हैं।

2. कालका-शिमला ट्रेन रूट

कालका-शिमला रेल रूट भी सबसे खूबसूरत है, जो ब्रिटिश दौर से ही यात्रियों को पहाड़ों की खूबसूरत दुनिया से रूबरू कराता आ रहा है। इस रूट पर चलने वाली ट्रेनें टॉय ट्रेन से मिलती-जुलती हैं जो आपके दिल को खुश कर देंगी। यह मार्ग 1903 में शुरू किया गया था, जो 102 सुरंगों और 82 पुलों से होकर गुजरता है। 96 किमी वाला रास्ता तेज गति से पूरा करने के लिए इसे गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है। इस सफर के दौरान चीड़ के पेड़, ओक, घाटियां, देवदार, रोडेंड्रोन के जंगल और शिमला पहुंचने तक ऊपर की ओर बढ़ने वाले सुंदर रास्ते का मजा









आपको मिलेगा। बता दें, कालका-शिमला रेल लाइन यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल में भी शामिल है।

3. कन्याकुमारी-त्रिवेंद्रम ट्रेन रूट

कन्याकुमारी से त्रिवेंद्रम तक ले जाने वाली आइलैंड एक्सप्रेस आपको दक्षिण भारत के मनमोहक नजारों को दिखाएगी। 20 घंटे की इस यात्रा के दौरान आपको खूबसूरत केरल के चर्चों और अलंकृत मंदिरों के दर्शन हो जाएंगे। साथ ही कन्याकुमारी-त्रिवेंद्रम ट्रेन रूट पर सफर के दौरान समुद्र, नारियल के पेड़ों और हरे-भरे नजारों का खूबसूरत संगम देखने को मिलता है। यह रूट भारत की सबसे खूबसूरत ट्रेन यात्राओं में से एक माना जाता है।

LIFESTYLE

ऑफिस में किसी के साथ शेयर नहीं करनी चाहिए ये बातें, बाद में बन सकता है आपका मजाक!

ऑफिस के प्रोफेशनल माहौल में अपने बारे में हर चीज शेयर करना सही नहीं है। कई बार आप लोगों पर ट्रस्ट कर ऐसी बातें ओवर शेयर कर देते हैं, जो बाद में गॉसिप का हिस्सा बन सकती हैं। इसलिए बेहतर है कि कुछ बातें प्राइवेट ही...



• **जालंधर ब्रीज** . फीचर

ऑफिस में लोगों के साथ अच्छे रिलेशन रखना जरूरी है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि आप अपनी हर बात सभी के साथ शेयर करें। कई बार हम बातचीत के दौरान ऑफिस में अपने कलीग को ऐसी बातें बता देते हैं, जिससे बाद में अपनी ही प्रॉब्लम बढ़ जाती है।

ऑफिस का माहौल फ्रेंडली हो सकता है, लेकिन हर कलीग आपका करीबी दोस्त हो, ये जरूरी नहीं है। इसलिए प्रोफेशनल लाइफ में थोड़ा प्राइवेट रहना आपको कई बेवजह की प्रॉब्लम्स से बचा सकता है। बात छोटी हो या बड़ी, शेयर करने से पहले एक बार सोच लेना समझदारी है। तो चलिए जानते हैं ऐसी कौन सी बातें हैं जिन्हें ऑफिस में बिल्कुल भी शेयर नहीं करना चाहिए।

अपनी सैलरी की जानकारी

ऑफिस में अपनी सैलरी के बारे में हर कलीग को बताने की जरूरत नहीं है। किसी की सैलरी ज्यादा या कम होने की बात ऑफिस में बेवजह गॉसिप का कारण बन सकती है। अगर कोई कलीग आपकी सैलरी पूछे और तो आप आराम से बात को टाल सकते हैं या फिर मोटा-मोटा अंदाजा शेयर कर सकते हैं। लेकिन सैलरी की कंप्लीट डिटेल बताना अवॉइड करना चाहिए।

घर की बिल्कुल सही लोकेशन

ऑफिस के कलीग्स को अपने घर की बिल्कुल सही लोकेशन बताना जरूरी नहीं है। खासकर तब, जब आप ऑफिस के आसपास ही रहते हों। अपने इलाके के बारे में सामान्य जानकारी देना अलग बात है, लेकिन घर का पूरा पता या बिल्कुल सटीक लोकेशन हर किसी के साथ शेयर करने से बचना बेहतर है। ऑफिस में कुछ लोग आपके अच्छे दोस्त हो सकते हैं, लेकिन हर कलीग के साथ निजी जानकारी शेयर करना जरूरी नहीं है। अपने पर्सनल स्पेस को प्राइवेट रखने में ही समझदारी है।

अपने काम के सीक्रेट शॉर्टकट

अगर आप किसी काम को जल्दी और स्मार्ट तरीके से करने का तरीका जानते हैं, तो उसे हर किसी के साथ बिल्कुल भी शेयर ना करें। अपने पर्सनल वर्किंग तरीके या ऐसे शॉर्टकट, जिन्हें आपने खुद सीखकर अपनी काम करने की कैपिसिटी को इम्प्रूव कर रहे है, उन्हें दूसरों के साथ शेयर करना सही नहीं है। ऑफिस में आपकी पहचान आपके काम और आपकी स्किल से बनती है। इसलिए जो चीज आपकी काम करने की खासियत है, उसे हर बातचीत में बताने की जरूरत नहीं है। अपनी स्किल की वैल्यू बनाए रखने के लिए थोड़ा प्राइवेट रहना ठीक है।

अपनी पर्सनल परेशानियां

ऑफिस में हर किसी को अपनी निजी परेशानियों के बारे में बताने की जरूरत नहीं है। किसी भरोसेमंद व्यक्ति से बात करना अलग बात है, लेकिन अपनी पर्सनल लाइफ की पूरी कहानी कलीग्स के साथ शेयर करना आपको बाद में अनकंफरटेबल सिचुएशन में डाल सकता है। हो सकता है आज कोई आपकी बात सुनकर आपको समझने की कोशिश कर रहा हो, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि आगे भी वह आपकी बातों को समझे। आपकी शेयर की गई बात ऑफिस के गॉसिप का हिस्सा बन सकती है इसलिए अपनी पर्सनल बातों को सोच समझकर ही शेयर करें।

अपने फ्यूचर गोल्स किसी को ना बताएं

आप आगे क्या करना चाहते हैं, कब जॉब बदलने की सोच रहे हैं या आपकी अगली प्लानिंग क्या है, ये जानकारी हर किसी को बताने की जरूरत नहीं है। करियर से जुड़े कुछ प्लान ऐसे होते हैं, जिन्हें तब तक अपने तक रखना बेहतर होता है, जब तक आप खुद उन्हें शेयर करने के लिए तैयार ना हों। कॉर्पोरेट दुनिया में लोग एक-दूसरे से जुड़े रहते हैं। इसलिए आपकी कही हुई बात आगे किस तक कैसे पहुंचेगी, इसका आपको अंदाजा नहीं होता। इसलिए अपने फ्यूचर प्लांस को ले कर थोड़ा सावधान रहने में ही भलाई है।

नोट : *यह खबर सामान्य जानकारियों पर आधारित है। किसी भी तरह की विशेष जानकारी के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ से उचित सलाह लें।*

ना मैदा, ना सूजी! सिर्फ 2 आलू से बनाएं खस्ता कुरकुरी पापड़ी, महीनों तक नहीं होगी खराब

चाय के साथ कुछ खाना हो या हल्की फुल्की भूख लगी हो, ये कुरकुरी पापड़ी एक परफेक्ट ऑप्शन हैं। ये बिना मैदा और बिना सूजी के बनती हैं और सही से स्टोर करने पर महीनों खराब भी नहीं होती। शेफ पारुल ने इन्हें बनाने की रेसिपी शेयर...

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

चाय के साथ स्नैक्स में अक्सर कुछ ना कुछ चाहिए ही रहता है। ऐसे में बाजार के स्नैक्स जैसे नमकीन, मठरी, बिस्किट और चिप्स वगैरह से अच्छा है कि आप घर पर ही कुछ बनाकर तैयार कर लें। आज की पापड़ी रेसिपी कुछ खास है। ये खस्ता और कुरकुरी पापड़ी बिना मैदा और सूजी के बन जाती हैं। इन्हें घंटों बेलने का भी झंझट नहीं है, बस एक सिंपल सी ट्रिक से आप मिनटों में ढेर सारी पापड़ी बनाकर तैयार कर सकते हैं।

चाय के साथ कुछ खाना हो या हल्की भूख लगी हो, ये पापड़ी परफेक्ट स्नैक्स हैं। बच्चे अक्सर कुछ बाहर का मांगते रहते हैं तो उनके लिए भी आप डब्बा भरकर ये पापड़ी बनाकर रख सकते हैं। इंस्टाग्राम पर शेफ पारुल ने इनकी रेसिपी शेयर की है, आइए डिटेल में जानते हैं।

खस्ता पापड़ी बनाने के लिए सामग्री

बिना मैदा और बिना सूजी के खस्ता पापड़ी बनाने के लिए आपको जिन सामग्रियों की जरूरत होगी वो हैं- उबले हुए आलू (2), चावल का आटा (1 कप), बेसन (2 चम्मच), तेल (1 चम्मच), जीरा (1 चम्मच), अजवाइन (आधा चम्मच), चिली फ्लेक्स या लाल मिर्च पाउडर (1 चम्मच), सफेद तिल (1 चम्मच), कलौंजी (आधा चम्मच, कसूरी मेथी (1 चम्मच), चुटकी भर हींग, चाट मसाला (1 चम्मच), स्वादानुसार नमक, तलने के लिए तेल।



सिर्फ 2 आलू से बनाएं खस्ता और कुरकुरी पापड़ी

खस्ता पापड़ी बनाने के लिए सबसे पहले दो उबले हुए आलू ले कर उन्हें अच्छे से मैश कर लें। ध्यान रहे इनमें किसी तरह की गुठलियां नहीं रहनी चाहिए। इन्हें एक बड़ी बाउल में ट्रांसफर करें। अब इसमें चावल का आटा और थोड़ा सा बेसन बताई हुई मात्रा में एड करें। इसके साथ ही साबुत जीरा, हाथों से मसलकर अजवाइन और चिली फ्लेक्स या लाल मिर्च पाउडर मिलाएं।

पापड़ी में कसूरी मेथी की खुशबू काफी अच्छी लगती है। इसे भी आप क्रश कर के मिल सकते हैं। इसके अलावा सफेद तिल, कलौंजी, चुटकी भर हींग, चाट मसाला, नमक और एक चम्मच तेल डालकर अच्छे से आटा गूंथ लें। इसमें आपको बिल्कुल भी पानी नहीं एड करना है। आलू की नमी से ही पापड़ी का डो लगाकर तैयार कर लें।

बिना बेले पापड़ी बनाने की ट्रिक

सबसे पहले आटे की छोटी-छोटी लोइयां बनाकर तैयार कर लें। अब एक बटर पेपर या फॉइल लें और उसपर तेल लगाकर ग्रीस कर लें। इसपर सभी लोइयां रखें और हाथ से हल्का दबाकर सेट कर लें। इन्हें थोड़ी-थोड़ी दूरी पर रखें ताकी पापड़ी बनने पर ये आपस में चिपके नहीं। अब इनके ऊपर से दोबारा एक बटर पेपर या फॉइल रखें और एक कटोरी की मदद से इन्हें हल्का प्रेस करें और गोल-गोल घुमाकर पापड़ी का शेप दें। लास्ट में एक फोर्क या चाकू की मदद से इनमें छोटे-छोटे छेद कर दें ताकि ये फूले नहीं।

गोल्डन और क्रिस्पी होने तक करें फ्राई

एक कड़ाही में तेल गर्म होने के लिए रखें। जैसे ही तेल गर्म हो जाए तो लो टू मीडियम फ्लेम पर पापड़ी तलने के लिए तेल में डालें। धीमी आंच पर ये अच्छे से फ्राई होती हैं और अंदर से कच्ची भी नहीं रहतीं। जैसे ही ये गोल्डन और क्रिस्पी होने लगें तो इन्हें तेल से बाहर निकाल लें। ठंडा होने पर इन्हें किसी एयर टाइट कंटेनर में स्टोर कर लें, महीनों तक भी ये खराब नहीं होंगी।

महंगे स्कूल नहीं, संस्कार हैं ज्यादा जरूरी! अपने बच्चों को ये 5 बातें जरूर सिखाएं पैरेंट्स

जालंधर ब्रीज (फीचर) . बच्चों के शानदार करियर के लिए अच्छी पढ़ाई-लिखाई का होना जरूरी है, लेकिन उसे अच्छा इंसान बनाने के लिए सिर्फ यही काफी नहीं है। उसे अच्छे संस्कार देना भी उतना ही जरूरी है। बच्चों के अच्छे संस्कारों की झलक उसके व्यवहार, बात करने के तरीका और दूसरों के साथ पेश आने में ढंग में नजर आ जाती है। घर में सिखाई गई छोटी-छोटी बातें बच्चे के बिहेवियर का हिस्सा बनती हैं और आगे चलकर उसके काम आती हैं। इसलिए स्कूल के अलावा बच्चों को कुछ ऐसी आदतें जरूर सिखाएं, जो उन्हें अच्छा इंसान बनने में मदद करें। एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए डॉ हनीश बजाज ने ऐसी 5 जरूरी बातें साझा की हैं।



सम्मान से बात करना सिखाएं - बच्चे सबसे पहले अपने घर से बोलने का तरीका सीखते हैं। इसलिए उन्हें समझाएं कि अपनी बात रखना बिल्कुल सही है, लेकिन बात करने का तरीका भी अच्छा होना चाहिए। किसी बात से सहमत ना हों तो भी सामने वाले से बदतमीजी करने की जरूरत नहीं है। बच्चे को अपनी बात शांति से कहने की आदत डालें। घर में अगर बच्चा किसी बात पर गुस्सा हो जाए, तो उसे डांटने के बजाय समझाएं कि गुस्सा आना अलग बात है और गुस्से में गलत तरीके से बात करना अलग। धीरे-धीरे बच्चा अपनी बात सम्मान के साथ रखना सीख जाएगा।

प्लीज और थैंक यू कहना सिखाएं - 'प्लीज' और 'थैंक यू' जैसे शब्द छोटे जरूर हैं, लेकिन काफी इंपैक्टफुल होते हैं। बच्चे को जब भी किसी से कुछ मांगना हो, तो प्यार से प्लीज कहने की आदत डालें। किसी ने उसकी मदद की है या उसे कुछ दिया है, तो 'थैंक यू' कहना सिखाएं। इन शब्दों को सिर्फ दूसरों के लिए जरूरी ना बनाएं, बल्कि खुद भी बच्चे के सामने इनका इस्तेमाल करें। बच्चे अक्सर वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। जब वह घर में इन शब्दों का इस्तेमाल होते देखेगा, तो वह भी इन शब्दों का इस्तेमाल करना सीखेगा।

अपनी गलती मानना सिखाएं - बच्चों से गलती होना बिल्कुल नॉर्मल है। ऐसी सिचुएशन में उन्हें डराने या हर बार डांटने के बजाय गलती स्वीकार करना सिखाएं। अगर बच्चे से किसी को परेशानी हुई है, तो उसे सॉरी कहना सिखाएं। साथ ही उसे यह भी समझाएं कि गलती मानना कमजोरी नहीं है। अपनी गलती समझकर उसे सुधारने की कोशिश करना अच्छी बात है। इससे बच्चे में अपनी जिम्मेदारी समझने की आदत बनती है और वह अपनी गलतियों से सीखना भी सीखता है।

डिस्क्लेमर : *यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

शर्ट की जेब में फोन रखते हैं? डॉक्टर ने बताया हार्टबीट पर क्या असर होता है

Health कई लोग फोन को आसानी से इस्तेमाल करने के लिए शर्ट की जेब में रखते हैं। लेकिन क्या दिल के पास फोन रखने से हार्टबीट पर असर पड़ सकता है? डॉक्टर से जानिए इस आदत को लेकर क्या सच है।

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

फोन आज हमारी रोज की जरूरत बन चुका है और इसे पास रखना भी आम बात है। कुछ लोग फोन को पैंट की जेब में रखते हैं तो कई लोग शर्ट की जेब को सबसे आसान जगह मानते हैं। खासकर बाईं तरफ की जेब दिल के काफी पास होती है, इसलिए कई लोगों को डर रहता है कि फोन की वाइब्रेशन या उससे निकलने वाले सिग्नल हार्टबीट को प्रभावित कर सकते हैं। सोशल मीडिया पर भी इसे लेकर कई तरह के दावे देखने को मिलते हैं। लेकिन क्या सच में ऐसा होता है? कार्डियोलॉजिस्ट ने इस बारे में जानकारी दी है।

क्या शर्ट की जेब में फोन रखने से दिल पर असर पड़ता है?

फोन को दिल के पास रखने को लेकर सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या इससे हार्टबीट बदल सकती है। डॉक्टर के अनुसार, आम तौर पर ऐसा होने का कोई पक्का सबूत नहीं है। फोन रेडियोफ्रीक्वेंसी सिग्नल का इस्तेमाल करके नेटवर्क से जुड़ता है। ये सिग्नल नॉन-आयनाइजिंग होते हैं, यानी इनमें एक्स-रे जैसी आयनाइजिंग रेडिएशन की तरह डीएनए को सीधे नुकसान पहुंचाने वाली ऊर्जा नहीं होती।

फोन की वाइब्रेशन से हार्टबीट क्यों महसूस होती है?

कभी फोन जेब में वाइब्रेट करता है तो ऐसा लग सकता है कि दिल के पास कुछ हो रहा है। लेकिन इसका मतलब यह जरूरी नहीं कि हार्टबीट बदल गई है। डॉक्टर के अनुसार, वाइब्रेशन की वजह से उस हिस्से की सेंसेशन ज्यादा महसूस हो सकती है। अगर आप पहले से अपनी हार्टबीट को लेकर चिंतित रहते हैं या शरीर में होने वाली छोटी-छोटी चीजों पर ज्यादा ध्यान देते हैं, तो सामान्य धड़कन भी ज्यादा महसूस हो सकती है। यानी फोन की वाइब्रेशन और दिल की धड़कन को हर बार जोड़ना सही नहीं है।

किन लोगों को फोन रखने में सावधानी चाहिए?

यहां सबसे जरूरी बात उन लोगों के लिए है जिनके शरीर में पेसमेकर या कोई दूसरा इम्प्लांटेड हार्ट डिवाइस लगा है। कुछ फोन में मौजूद मजबूत मैग्नेट ऐसे डिवाइस के काम करने के तरीके को प्रभावित कर सकते हैं। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन भी ऐसे लोगों को फोन को इम्प्लांट से कम से कम 6 इंच यानी करीब 15 सेंटीमीटर दूर रखने की सलाह देता है। साथ ही फोन को उस जगह की जेब में नहीं रखना चाहिए जहां हार्ट डिवाइस लगा हो।



पेसमेकर वालों को क्या ध्यान रखना चाहिए?

अगर किसी व्यक्ति को पेसमेकर या इम्प्लांटेबल कार्डियक डिफिब्रिलेटर लगा है, तो फोन को सीधे उसके ऊपर वाली शर्ट या जैकेट की जेब में रखने से बचना चाहिए। फोन इस्तेमाल करते समय भी शरीर के उस हिस्से से थोड़ी दूरी रखना बेहतर है। सामान्य लोगों की तुलना में इन लोगों के लिए सावधानी का कारण फोन की रेडिएशन से ज्यादा कुछ डिवाइस में होने वाला मैग्नेटिक इंटरफेरेंस है।

ये भी हो सकती है वजह

अगर कभी अचानक दिल तेज धड़कता महसूस हो, तो तुरंत फोन को इसका कारण मान लेना सही नहीं है। ज्यादा चाय-कॉफी, स्ट्रेस, कम पानी पीना, नींद पूरी न होना और कुछ हार्ट रिदम की समस्याएं भी ऐसी शिकायत की वजह बन सकती हैं। इसलिए बार-बार ऐसा हो रहा है तो कारण जानना ज्यादा जरूरी है। खासकर अगर धड़कन की परेशानी बार-बार हो रही है, तो डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर रहेगा।

नोट : *यह खबर सामान्य जानकारियों पर आधारित है। किसी भी तरह की विशेष जानकारी के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ से उचित सलाह लें।*

राष्ट्रपति मुर्मू ने एम्स बिलासपुर के पहले दीक्षांत समारोह को किया संबोधित

• **जालंधर ब्रीज** . *नई दिल्ली*

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज बिलासपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एआईआईएमएस - एम्स) के पहले स्नातक बैच को संस्थान के पहले दीक्षांत समारोह में उपाधियां प्रदान कीं। यह संस्थान के विकास और देश में चिकित्सा शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवा में इसके योगदान के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

स्नातक छात्रों को संबोधित करते हुए, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्नातकों और स्वर्ण पदक विजेताओं के साथ-साथ उनके माता-पिता, अभिभावकों और उन शिक्षकों की सराहना की, जिन्होंने उनके पूरे शैक्षणिक पाठ्यक्रम में उनका मार्ग-दर्शन किया। उन्होंने कहा कि एम्स बिलासपुर से स्नातक होने वाले पहले बैच के रूप में, इस संस्थान की पहचान और विरासत को आकार देने में उनकी विशेष भूमिका है। उन्होंने छात्रों से अपने आचरण, प्रतिबद्धता और सेवा के माध्यम से संस्थान की प्रतिष्ठा को बनाए रखने का आग्रह किया और उन्हें याद दिलाया कि चिकित्सा पेशे का मानवता के प्रति एक दायित्व है। राष्ट्रपति ने स्नातकों को प्रोत्साहित किया कि वे अपने कार्य में लोगों की जरूरतों को प्राथमिकता दें, विशेषकर दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले उन लोगों को जिनकी विशेष स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित पहुंच है। एम्स बिलासपुर की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए, उन्होंने संस्थान और उसके स्नातकों से दुरस्थ चिकित्सा, विशेषज्ञ परामर्श, चिकित्सा कर्मियों के प्रशिक्षण और आधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग सहित विभिन्न माध्यमों से इस क्षेत्र में तृतीयक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में कार्य करने का आग्रह किया।

राष्ट्रपति ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की भूमिका पर भी प्रकाश डाला, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर स्वास्थ्य देखभाल का वित्तीय बोझ कम हुआ है। इस योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर मिलता है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत उपचार पर 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा चुके हैं। उन्होंने हितधारकों से आग्रह किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि इन स्वास्थ्य सुरक्षा उपायों की जानकारी दूरदराज के क्षेत्रों तक भी पहुंचे। उन्होंने एम्स जैसे प्रमुख संस्थानों से बुनियादी और किफायती स्वास्थ्य देखभाल समाधानों के विकास में योगदान देने की आवश्यकता पर भी बल दिया। स्नातकों को आजीवन सीखने के लिए प्रोत्साहित करते हुए, राष्ट्रपति ने उनसे चिकित्सा पद्धतियों और स्वास्थ्य सेवाओं में हो रहे बदलावों के साथ तालमेल बनाए रखने और अनुसंधान को ऐसे नवाचारों में परिवर्तित करने का आग्रह किया जो लोगों के जीवन को बेहतर बनाते हैं।



उन्होंने कहा, "चिकित्सा का क्षेत्र केवल विज्ञान और प्रौद्योगिकी का क्षेत्र नहीं है। यह वास्तव में करुणा और विश्वास का क्षेत्र भी है।"

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंदर गुप्ता ने स्नातकों की उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी और हिमाचल प्रदेश तथा इसके पड़ोसी राज्यों, विशेष रूप से दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों के लोगों तक विशेष स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में एम्स बिलासपुर की निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। एम्स बिलासपुर के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन को याद करते हुए उन्होंने कहा कि संस्थान स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और अनुसंधान में व्यापक योगदान दे रहा है और इसने स्वास्थ्य क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश की स्थिति को मजबूत किया है।

स्नातक छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए राज्यपाल कविंदर गुप्ता ने उन्हें याद दिलाया कि उनकी डिग्रियां समाज और राष्ट्र के प्रति एक जिम्मेदारी लेकर आती हैं। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपने पेशेवर जीवन में करुणा, संवेदनशीलता और सेवा को सर्वोपरि रखें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि स्नातक छात्र अपने ज्ञान और सेवा भावना का उपयोग राष्ट्र के विकास में योगदान देने के लिए करेंगे। उन्होंने कहा, "मुझे विश्वास है कि एम्स बिलासपुर के ये स्नातक छात्र अपनी प्रतिभा, ज्ञान और सेवा भावना से देश के विभिन्न क्षेत्रों में एक नई पहचान बनाएंगे और एक विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।"

इस अवसर पर अपने संबोधन में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने एम्स बिलासपुर के पहले बैच के शैक्षणिक सफर के सफल समापन पर खुशी और गर्व व्यक्त किया। देश में चिकित्सा शिक्षा के विस्तार पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेजों की संख्या 384 से बढ़कर 800 से अधिक हो गई है, जबकि स्नातक चिकित्सा सीटों की संख्या 51,348 से बढ़कर 1.42 लाख हो गई है। उन्होंने बताया कि सरकार का लक्ष्य 2029 तक 75,000 स्नातक और स्नातकोत्तर चिकित्सा सीटें जोड़ना है, जिसमें 10,000 अतिरिक्त एमबीबीएस और स्नातकोत्तर सीटों के सृजन के लिए 15,000 करोड़ रुपये का आवंटन भी शामिल है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में एम्स नेटवर्क के विस्तार पर प्रकाश डालते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जहां कई दशकों तक देश में केवल एक ही एम्स था, वहीं पिछले 12 वर्षों में 16 नए एम्स स्थापित किए गए हैं। उन्होंने श्रोताओं से इस विस्तार की व्यापकता और देश भर में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा और विशेष स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने के प्रयासों को समझने का आग्रह किया।

नड्डा ने एम्स बिलासपुर के संकाय और कर्मचारियों की इस संस्थान के विकास की तीव्र गति के लिए प्रशंसा की और इसके निरंतर विकास का भरोसा जताया। स्नातक छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने उनसे एम्स बिलासपुर की प्रतिष्ठा को बनाए रखने और उत्कृष्टता एवं सेवा के मूल्यों को अपने पेशेवर जीवन में आगे बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, "आपके तीव्र विकास को देखते हुए, मुझे पूरा विश्वास है कि बहुत जल्द एम्स बिलासपुर देश के अन्य एम्स के समकक्ष होगा।" उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए स्नातक छात्रों से कहा कि आप उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान करेंगे और मानवता के लिए काम करेंगे।

मोदी सरकार की बड़ी सफलता : 36 देशों से 288 भगोड़े भारत लाए गए

अमित शाह ने दी बधाईः तुर्की से नार्को-किंगपिन नवप्रीत सिंह का ऐतिहासिक प्रत्यर्पण

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली



केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने तुर्की से कुख्यात नार्को-ट्रैफिकिंग सरगना नवप्रीत सिंह के प्रत्यर्पण को सुनिश्चित कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने के लिए सभी एजेंसियों को बधाई दी है।

एक्स प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में, केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने तुर्की से कुख्यात नशीले पदार्थों के तस्कर नवप्रीत सिंह को वापस लाकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि 'नवाब विर्क' की फर्जी पहचान का इस्तेमाल कर तुर्की की नागरिकता लेने के बाद भी, नवप्रीत सिंह अफ़गानिस्तान से भारत में हेरोइन और मेथम्फेटामाइन की तस्करी करता रहा। शाह ने कहा कि भारतीय एजेंसियों ने उसकी असली पहचान का पता लगाने के लिए उसकी फर्जी पहचान को उजागर किया और उसे वापस लाने में कामयाबी हासिल की। आज उसे भारत वापस लाया गया है और ड्रग तस्करी व अन्य अपराधों के मामलों में जेल भेज दिया गया है। इस सफलता के लिए सभी एजेंसियों को बधाई। मोदी सरकार दिसंबर 2029 से पहले हर नार्को-कार्टेल को खत्म करने के प्रति कटिबद्ध है।

मोदी सरकार ने भगोड़ों को वापस लाने के लिए एक समन्वित अभियान शुरू किया है। 2019 से अगस्त, 2026 तक, 36 देशों से कुल 288 भगोड़ों को भारत वापस लाया गया है।

भगोड़ों को वापस लाने को लेकर पहले की सरकारों में पॉलिटिकल विल का अभाव था, मोदी सरकार ने भगोड़ों के प्रत्यर्पण को 'राष्ट्रीय प्राथमिकता' बनाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन के अनुरूप, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भगोड़ों के खिलाफ तीन स्तंभों पर जोर दिया है - वैश्विक अभियान, मजबूत समन्वय और स्मार्ट कूटनीति। अमित शाह ने भगोड़े अपराधियों के मुद्दे को देश की संप्रभुता, आर्थिक स्थिरता, कानून-व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हुआ बताया है।

मोदी सरकार 2019 में एनआईए संशोधन अधिनियम और यूएपीए संशोधन अधिनियम लेकर आई और 2020 के बाद भगोड़ों को भारत वापस लाने की प्रक्रिया को 'मिशन मोड' में आगे बढ़ाया गया। इससे कार्रवाई केवल संगठनों तक सीमित नहीं रही बल्कि व्यक्तिगत आतंकी, हैंडलर्स, फंडिंग नेटवर्क और विदेशों में बैठे सपोर्ट सिस्टम तक कार्रवाई का दायरा बढ़ा।

भारत और वैश्विक एजेंसियों के बीच समन्वय, संपर्क और संवाद बढ़ाने के लिए गृह मंत्री अमित शाह द्वारा जनवरी, 2025 में 'भारतपोल' लॉन्च किया गया। भारतपोल ने सीबीआई, राज्य पुलिस मुख्यालय और जिला पुलिस मुख्यालय को एकीकृत कर एक व्यापक इन्फॉर्मेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्मित किया। इसके तहत, राज्य और केन्द्रीय एजेंसियों के 1,400 से अधिक यूनिट ऑफिस पोर्टल से जुड़कर सूचना का निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित कर रहे हैं। इसके कारण, सीबीआई और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच इन्फार्मेशन शेयरिंग के रिस्पॉन्स टाइम में भारी कमी आई है। आज सीबीआई द्वारा मांगी गई जानकारी अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा 10 से 20 दिनों में और कुछ मामलों में मात्र 3 से 10 दिनों में साझा कर दी जाती है।

मोदी सरकार ने मनी लॉन्ड्रिंग निरोधक कानून को सख्ती से लागू किया है। मोदी सरकार ने पीएसएलए के सख्ती से लागू होने से वर्ष 2019 से 2026 तक भगौड़ों की कुल ₹17,874 करोड़ की संपत्ति जब्त की। 2019 से 2026 तक ₹18,762 करोड़ की सफल वापसी की गई, इसमें देश छोड़कर भागे आर्थिक अपराधियों का पैसा शामिल है। पिछले 3 वर्षों में 401 भगोड़े अपराधियों के विरुद्ध रेड कार्नर नोटिस जारी हुए हैं। जुलाई, 2026 तक कुल 182 रेड कार्नर नोटिस जारी हुए हैं।

सेबी ने चंडीगढ़ में स्थानीय कार्यालय खोला

• **जालंधर ब्रीज** . चंडीगढ़



भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के अध्यक्ष तुहिन कांत पांडे ने आज चंडीगढ़ में सेबी के स्थानीय कार्यालय का उद्घाटन किया।

सेबी का चंडीगढ़ स्थानीय कार्यालय एससीओ नंबर 20-25, दूसरी मंजिल, जीवन प्रकाश बिल्डिंग, सेक्टर 17बी, चंडीगढ़, भारत-160017 में स्थित है।

चंडीगढ़ स्थानीय कार्यालय पंजाब और हरियाणा राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ को कवर करेगा। यह नई दिल्ली स्थित सेबी के उत्तरी क्षेत्रीय कार्यालय के प्रशासनिक नियंत्रण और क्षेत्राधिकार के तहत कार्य करेगा। चंडीगढ़ स्थानीय कार्यालय के कार्यों में सूचीबद्ध कंपनियों और बाजार मध्यस्थों के खिलाफ निवेशकों की शिकायतों के निवारण को सुविधाजनक बनाना, निवेशक शिक्षा और वित्तीय साक्षरता का प्रसार करना, अपने अधिकार क्षेत्र के भीतर जारीकर्ताओं के मंचों, विशेष रूप से लघु और मध्यम उद्यमों, सोशल स्टॉक एक्सचेंजों, म्यूनिसिपल बॉन्ड्स, कॉरपोरेट बॉन्ड्स आदि के साथ जुड़ना, और ऐसे अन्य कार्य शामिल होंगे जो समय-समय पर स्थानीय कार्यालयों को सौंपे जा सकते हैं।

"नेक्ट- जेनरेशन जीएसटी और भारत के विकास का अगला चरण"

वोकल फॉर लोकल: एक स्थानीय कॉफी, जो आदिवासी समुदायों की आजीविका को मजबूत कर आंध्र प्रदेश का स्वाद दुनिया तक पहुँचा रही है

• **जालंधर ब्रीज** . *विशाखापत्तनम/जालंधर*

'विकसित भारत' बनने के भारत के संकल्प के लिए एक ऐसी अर्थव्यवस्था की आवश्यकता है जिसमें हर स्तर और आकार के उद्यम फल-फूल सकें, चाहे उनकी शुरुआत कहीं से भी हुई हो। पिछले बारह वर्षों में हमारी सरकार ने इन अनुकूल परिस्थितियों के निर्माण के लिए निरंतर कार्य किया है। वर्ष 2017 में जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) लागू होने से अप्रत्यक्ष कराधान के लिए एक साझा राष्ट्रीय ढांचा स्थापित हुआ। 'नेक्स्ट- जेनरेशन का जीएसटी' (Next-Gen GST) नौ वर्षों के क्रियान्वयन तथा करदाताओं और राज्यों के अनुभवों के आधार पर इसी प्रयास को आगे बढ़ाता है।



निर्मला सीतारमण
(लेखिका केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री हैं)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप, नेक्स्ट- जेनरेशन जीएसटी की परिकल्पना दो परस्पर जुड़े उद्देश्यों के साथ की गई थी: कर दरों को कम व तर्कसंगत बनाना और अनुपालन को अधिक सरल बनाना। दरों में किए गए संशोधन 22 सितंबर 2025 से प्रभावी हुए। प्रक्रियात्मक सुधारों का अगला चरण शीघ्र ही जीएसटी परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। सम्मिलित रूप से, इन प्रयासों का उद्देश्य परिवारों को राहत देना, व्यवसायों को अधिक निश्चितता प्रदान करना और करदाताओं के लिए एक ऐसी प्रणाली सुनिश्चित करना है जिसमें वे बिना किसी अनावश्यक कठिनाई के अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें।

राज्य इस पूरी यात्रा में बराबर के साझेदार रहे हैं। वे परिषद में अपनी प्राथमिकताओं और अनुभवों को लेकर आए, निर्णयों को आकार देने में सहयोग किया और उनके क्रियान्वयन का दायित्व संभाला। मैं इस प्रतिबद्धता के लिए उनका आभार व्यक्त करती हूँ। जीएसटी की प्रगति प्रत्येक सरकार के उत्तरदायित्वों का सम्मान करते हुए एक साझा राष्ट्रीय लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने की इसी तत्परता पर टिकी है।

इसके परिणाम विश्वास को सुदृढ़ करते हैं। अक्टूबर 2025 से जुलाई 2026 के बीच, दर्ज की गई कर-योग्य आपूर्ति के मूल्य में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 25.8% की वृद्धि हुई। कर दरों की हल्की संरचना के साथ-साथ दर्ज आर्थिक गतिविधियों में भी व्यापक विस्तार देखा गया है। यह उस सुधार के लिए एक अत्यंत उत्साहवर्धक आधार है जिसका उद्देश्य उद्यमों और सार्वजनिक वित्त दोनों को संबल प्रदान करना है।

यह सुदृढ़ता हालिया राजस्व आंकड़ों में स्पष्ट दिखाई देती है। अप्रैल-सितंबर 2026 के दौरान सकल जीएसटी संग्रह 12.46 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि से 11.6% अधिक है। जून से सितंबर तक के प्रत्येक महीने में वार्षिक आधार पर दोहरे अंकों में वृद्धि दर्ज की गई; इन चार महीनों का कुल संग्रह मिलकर लगभग 15% की गति से बढ़ा। कर वापसी (रिफंड) के बाद शुद्ध संग्रह में भी इस छमाही के दौरान 10.4% की वृद्धि हुई। इस प्रकार, करदाताओं को दी गई राहत और विकास के लिए उपलब्ध संसाधनों में वृद्धि साथ-साथ हुई है। इस विस्तार का दायरा उसके पैमाने जितना ही महत्वपूर्ण है। सभी 11 क्षेत्रक समूहों और सभी प्रमुख राज्यों में दर्ज कर-योग्य आपूर्ति में वृद्धि देखी गई। भारत जैसी विविध अर्थव्यवस्था में यह व्यापक प्रसार अत्यंत महत्वपूर्ण है। विभिन्न क्षेत्रों और भौगोलिक हिस्सों में होने वाली यह वृद्धि अधिक से अधिक व्यवसायों को विस्तार लेते बाज़ारों में भाग लेने का अवसर देती है, और इसके परिणामस्वरूप उत्पन्न मांग, निवेश तथा रोज़गार से अधिकाधिक समुदायों को लाभान्वित करती है।

आदिवाणी : वंचितों के लिए तकनीक

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

भारत 700 से अधिक जनजातीय समुदायों और 100 से भी ज़्यादा विशिष्ट जनजातीय भाषाओं और बोलियों का घर है, फिर भी इनमें से बहुत कम के पास अपनी लिपि, शब्दकोश या ऑनलाइन उपस्थिति है। स्वास्थ्य संबंधी किसी सरकारी परामर्श को पढ़ने की कोशिश कर रहे गोंडी भाषी किसान के लिए या पाठ्यपुस्तक में किसी शब्द को खोज रहे संथाली छात्र के लिए डिजिटल दुनिया ने अब तक उनकी भाषा में बात नहीं की थी। 'आदिवाणी' एक-एक वाक्य, एक-एक रिकॉर्डिंग और एक-एक अनूदित पृष्ठ के माध्यम से इस स्थिति को बदल रही है।

आदिवाणी एक एआई-आधारित अनुवाद और भाषा प्रौद्योगिकी मंच है, जिसे जनजातीय कार्य मंत्रालय के अंतर्गत आईआईटी दिल्ली द्वारा विकसित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य सीधा और स्पष्ट है: ऐसे उपकरण तैयार करना जो अंग्रेजी और हिंदी को जनजातीय भाषाओं के साथ संवाद करने में सक्षम बनाएं, और जनजातीय भाषाओं को भी लिखित और मौखिक दोनों माध्यमों में उनका उत्तर देने की सुविधा दें।

आदिवाणी चार भाषाओं-संथाली, मुंडारी, भीली और गोंडी-के साथ लाइव हो चुकी है। इसके ठीक पीछे कुई और गारो भाषाएं हैं, जबकि अगले चरण के लिए कातकरी, कोया, कोकबोरोक, बेट्टा कुरुबा, चोधरी, थाडो कुकी और तांगखुल सहित आठ अन्य भाषाओं को तैयार किया जा रहा है।

आदिवाणी केवल एक अनुवादक न होकर एक ही छत के नीचे संपूर्ण टूलकिट उपलब्ध कराती है। यह टेक्स्ट-टू-टेक्स्ट ट्रांसलेशन की सुविधा देती है, जो अंग्रेजी या हिंदी पाठ को तुरंत जनजातीय भाषा में और जनजातीय भाषा को वापस हिंदी या अंग्रेजी में बदल देता है; स्पीच-टू-टेक्स्ट, जो बोली जाने वाली जनजातीय भाषा को लिखित रूप में परिवर्तित करता है और ऐसी भाषाओं के लिए जीवनरेखा का काम करता है जिनके पास धाराप्रवाह पढ़ने वालों की संख्या बहुत कम या न के बराबर है; टेक्स्ट-टू-स्पीच, जो लिखे हुए पाठ से प्राकृतिक जनजातीय वाणी (ऑडियो) तैयार करता है ताकि निरक्षर व्यक्ति भी सुनकर जानकारी प्राप्त कर सकें; और स्पीच-टू-स्पीच, जो एक ऐसी बहु-चरणीय प्रणाली है जिससे अलग-अलग भाषाएं बोलने वाले दो लोग लगभग वास्तविक समय में एक-दूसरे की बात समझ सकते हैं। इस प्लेटफॉर्म में 'ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकॉग्निशन' की सुविधा भी है, जो केवल कागजों पर मौजूद पुरानी पाठ्यपुस्तकों, लोक पांडुलिपियों, प्राथमिक पुस्तकों और शब्दकोशों को डिजिटाइज़ करती है-जो अक्सर किसी बोली के अंतिम बचे हुए दस्तावेज़ होते हैं। इसके साथ ही एक सार्वजनिक मोबाइल ऐप और वेब पोर्टल भी उपलब्ध कराया गया है, जिसमें निरंतर सुधार के लिए शब्दकोश, सीखने के मॉड्यूल और फीडबैक तंत्र मौजूद हैं।



रंजना चोपड़ा
(लेखिका सचिव- जनजातीय कार्य मंत्रालय हैं)

दशकों से भारत की जनजातीय भाषाएं देश के डिजिटल और प्रशासनिक जीवन के हाशिए पर रही हैं। मौखिक इतिहास, पारिस्थितिक ज्ञान और सांस्कृतिक स्मृतियों से समृद्ध होने के बावजूद वे इंटरनेट, एआई प्रणालियों और अक्सर नीतियों से लगभग अदृश्य रही हैं। आदिवाणी इस स्थिति को बदल रही है। कल्याणकारी योजनाओं की अधिसूचनाएं, स्वास्थ्य परामर्श या एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों के अध्याय जो कभी केवल हिंदी या अंग्रेजी में उपलब्ध थे, अब संथाली या भीली में सटीकता और सम्मान के साथ रूपांतरित किए जा सकते हैं और किसी निरक्षर व्यक्ति को बोलकर सुनाए जा सकते हैं। दूसरी ओर, सरकारी अधिकारी, शिक्षक और स्वास्थ्य कार्यकर्ता भी यह समझ सकते हैं कि कोई जनजातीय नागरिक अपनी भाषा में क्या कहना चाह रहा है। यह संवाद दोनों तरफ से होता है और यही इसकी मुख्य विशेषता है: आदिवाणी सिर्फ जनजातीय समुदायों को मुख्यधारा तक पहुंच प्रदान नहीं कर रही है, बल्कि मुख्यधारा को भी जनजातीय भारत तक पहुंच उपलब्ध करा रही है।

यह परियोजना जनजातीय भाषाओं को एआई के लिए केवल डेटा स्रोत नहीं मानती, बल्कि उन्हें मौखिक परंपरा, कृषि, पारिस्थितिकी और सामुदायिक पहचान से जुड़ी जीवंत ज्ञान प्रणालियों के रूप में देखती है। आदिवाणी का दायरा केवल जनजातीय परिवारों तक ही सीमित नहीं है। शोधकर्ताओं और भाषाविदों को दुनिया की सबसे कम प्रलेखित भाषाओं के लिए एक प्रामाणिक और उपयोगी डेटासेट मिलता है। जनजातीय जिलों में तैनात सिविल सेवकों, डॉक्टरों, शिक्षकों और एनजीओ के फील्ड कार्यकर्ताओं को (जिनमें से अधिकांश स्वयं जनजातीय नहीं हैं) एक रियल-टाइम अनुवादक साथी मिल जाता है, जो असहज और त्रुटिपूर्ण संचार को एक सार्थक संवाद में बदल देता है।

भाषाविज्ञान और नृविज्ञान के छात्रों को ऐसी डिजिटाइज़्ड पांडुलिपियां और मौखिक अभिलेखागार मिलते हैं, जो अन्यथा स्थानीय पुस्तकालयों में बिना देखे नष्ट हो जाते। इसके अलावा प्रत्येक भारतीय को डिजिटल रिकॉर्ड में एक महत्वपूर्ण सुधार का लाभ मिलता है: जो भाषाएं केवल स्मृति में जीवित रहने के खतरे का सामना कर रही थीं, अब उन्हें ऑनलाइन सर्च करने, बोलने और सिखाने के लिए एक मंच मिल गया है।

यही बात आदिवाणी को एक साधारण अनुवाद ऐप से कहीं अधिक बनाती है; यह समावेशन का एक ऐसी सार्वजनिक अवसंरचना है जिसे समुदाय को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है, न कि केवल एक प्राप्तकर्ता के रूप में।

आदिवाणी की सबसे विशिष्ट पहचान इसके एआई मॉडल नहीं, बल्कि इसकी कार्यप्रणाली है। मूल भाषियों, अनुवादकों, क्षेत्रीय भाषाविदों और समुदाय के वरिष्ठ नागरिकों को केवल एनोटेटर (डेटा विश्लेषक) नहीं, बल्कि ज्ञान भागीदार माना जाता है। प्रत्येक डेटासेट एक त्रि-स्तरीय कार्यप्रवाह मेकर-चेकर-सुपरचेकर से होकर गुजरता है, जहां समुदाय के समीक्षक उन सूक्ष्म बदलावों को पकड़ते हैं जिनके तहत एआई अक्सर किसी क्षेत्रीय भाषा को हिंदी या अंग्रेजी के अनुरूप ढालने का प्रयास करता है-जैसे कोई छूटा हुआ प्रत्यय, अत्यधिक सरलीकृत मुहावरा या पारंपरिक बोलचाल का खोया हुआ लहज़ा। मशीन द्वारा किए गए अनुवाद को कभी भी अंतिम नहीं माना जाता; मुख्य डेटाबेस में शामिल करने से पहले उसे सुधार के लिए मूल भाषियों के पास भेजा जाता है।

रियल एस्टेट विकास के लिए क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर रणनीतिक योजना जरूरी : रेरा

• **जालंधर ब्रीज** . चंडीगढ़

पंजाब रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी ने रियल एस्टेट विकास के लिए क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर तत्काल रणनीतिक योजना तैयार करने की जरूरत पर जोर दिया है। प्राधिकरण ने लाइसेंस जारी करने वाली सक्षम एजेंसियों में दीर्घकालिक दृष्टिकोण की कमी पर चिंता जताते हुए सिंगल-विंडो, एपीआई आधारित मंजूरी प्रणाली लागू करने, भूमि रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण करने, भूमि स्वामित्व की गारंटी सुनिश्चित करने तथा रियल एस्टेट परियोजनाओं का अनिवार्य बीमा कराने की सिफारिश की है। रेरा सदस्य अरुणवीर वशिष्ठ ने कहा कि रियल एस्टेट क्षेत्र के स्वस्थ, पारदर्शी, कुशल और प्रतिस्पर्धी विकास को बढ़ावा देने के लिए रियल एस्टेट (रेगुलेशन एंड डेवलपमेंट) एक्ट, 2016 की धारा 32 के तहत सक्षम प्राधिकारियों के समक्ष कुछ महत्वपूर्ण सिफारिशें रखना आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिया कि इन सिफारिशों को पूर्ण प्राधिकरण के समक्ष रखा जाए और आगे सरकार को भी भेजा जाए। चंडीगढ़ के आसपास, विशेषकर जीरकपुर में हुए विकास का उदाहरण देते हुए वशिष्ठ ने कहा कि राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों के किनारे अनियंत्रित ऊंची इमारतों और व्यावसायिक एवं आवासीय परियोजनाओं के निर्माण से यातायात व्यवस्था पर स्थायी दबाव पैदा हुआ है। इसके कारण राजमार्गों पर भारी ट्रैफिक और लंबे जाम की समस्या लगातार बनी हुई है।

प्राधिकरण ने कहा कि मुख्य सड़कों और राजमार्गों पर व्यावसायिक तथा आवासीय परियोजनाओं का तेजी से बढ़ना इस बात का संकेत है कि दीर्घकालिक मास्टर प्लानिंग की अनदेखी हुई है। ऐसी स्थिति में विकास के भविष्य के प्रभावों को ध्यान में रखते हुए योजनाबद्ध तरीके से काम करना जरूरी है।

रेरा ने स्पष्ट किया कि मास्टर प्लान का अर्थ केवल किसी एक परियोजना, शहर या जिले की योजना नहीं होना चाहिए। रणनीतिक योजना कम से कम किसी भौगोलिक क्षेत्र, राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक होनी चाहिए।

ऐसी योजनाओं में क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति, जनसंख्या संबंधी अनुमान, जोनिंग, पर्यावरणीय स्थिरता, भूगर्भीय परिस्थितियों और प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता जैसे पहलुओं को शामिल किया जाना चाहिए। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों के बीच नदियों, प्राकृतिक संसाधनों और परिवहन मार्गों के माध्यम से मौजूद परस्पर संबंधों को भी ध्यान में रखना आवश्यक है। प्राधिकरण ने भूकंपीय संवेदनशीलता को भी महत्वपूर्ण मुद्दा बताया। पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ के कुछ हिस्सों में भूकंपीय जोखिम को देखते हुए रणनीतिक योजना को तत्काल मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

विजिलेंस ने 50,000 रिश्वत लेते एसडीओ रंगे हाथ पकड़ा



• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान माइनिंग विभाग, नाभा (जिला पटियाला) में तैनात सब-डिवीजनल ऑफिसर (एस.डी.ओ.) हरदीप सिंह को 50,000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू किया है।

राज्य विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को जिला पटियाला के गांव अलीपुर आरियां के रहने वाले एक ठेकेदार द्वारा दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि आरोपी एस.डी.ओ. हरदीप सिंह उसके ओवरलोड टिप्पर वाहनों के चालान काटने की धमकी दे रहा था और कोई कार्रवाई न करने के बदले 50,000 की रिश्वत की मांग कर रहा था। किसी भी प्रकार की रिश्वत देने से इनकार करने वाले शिकायतकर्ता ने विजिलेंस ब्यूरो रेंज पटियाला से संपर्क किया। उसकी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने आरोपी एस.डी.ओ. हरदीप सिंह को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 50,000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ विजिलेंस ब्यूरो के थाना पटियाला में भ्रष्टाचार निवारण कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

40,000 रुपये रिश्वत लेते हुए उत्तरी रेलवे का वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर गिरफ्तार



चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के विरुद्ध चल रही मुहिम के दौरान उत्तरी रेलवे में तैनात वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर पंकज भारद्वाज को 40,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू किया है। राज्य विजीलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को फिरोजपुर के एक निवासी द्वारा दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता ने अपनी निजी आवश्यकता के लिए अमित कुमार नामक अपने परिचित व्यक्ति, जो रेलवे कर्मचारी है, को कुछ पैसे दिए थे। जब शिकायतकर्ता को उसके पैसे वापस नहीं मिले तो उसने अमित कुमार से पैसे वसूलने के लिए अदालत में एक सिविल मुकदमा दायर किया। फिरोजपुर की अदालत ने रेलवे विभाग को आदेश जारी कर कहा था कि अमित कुमार के वेतन का एक-तिहाई (1/3) हिस्सा काटकर शिकायतकर्ता हरदीप सिंह को अदा किया जाए। उक्त कटौती करने और अदालत के आदेशों को लागू करने के बदले आरोपी वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर पंकज भारद्वाज ने शिकायतकर्ता से 40,000 रुपये रिश्वत की मांग की।

रिश्वत देने से असहमति जताते हुए शिकायतकर्ता ने विजीलेंस ब्यूरो रेंज फिरोजपुर से संपर्क किया। उसकी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए विजीलेंस ब्यूरो की टीम ने आरोपी अधिकारी पंकज भारद्वाज को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 40,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू कर लिया। इस संबंध में आरोपी के विरुद्ध विजीलेंस ब्यूरो थाना फिरोजपुर में भ्रष्टाचार निवारण कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

विजीलेंस ब्यूरो ने पटवारी और निजी एजेंट को 5,000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों किया काबू



चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब विजीलेंस ब्यूरो ने पटवार सर्कल, बस्ती पीरदाद, जालंधर में तैनात पटवारी विश्वजीत सिंह और निजी एजेंट राकेश कुमार उर्फ सोनू को 5,000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों काबू किया है। स्टेट विजीलेंस ब्यूरो के एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपियों को न्यू राजन नगर, जालंधर के एक निवासी द्वारा दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता ने कहा कि उसने 4 मरले का एक प्लॉट खरीदा था और इसकी सेल डीड 23.12.2024 को अपने छोटे भाई उमेश कुमार के नाम पर रजिस्टर्ड करवाई थी। उसने प्लॉट के इंतकाल के लिए संबंधित पटवारी से संपर्क किया, लेकिन मामले में बार-बार देरी की गई। 7 अक्तूबर 2026 को वह प्लॉट के इंतकाल के लिए दोबारा आरोपी पटवारी विश्वदीप सिंह के पास गया। आरोपी पटवारी ने उसे अपने निजी एजेंट राकेश कुमार उर्फ सोनू से मिलने के लिए कहा, जिसने राजस्व रिकॉर्ड में जमीन का इंतकाल दर्ज करवाने के बदले 5,000 रुपये रिश्वत की मांग की। मजबूरन, शिकायतकर्ता ने शुरू में 1,500 रुपये दिए, लेकिन आरोपी राकेश कुमार ने वह राशि वापस कर दी और उसे अगले दिन पूरे 5,000 रुपये लाने के लिए कहा। प्रवक्ता ने आगे बताया कि रिश्वत की मांग के संबंध में हुई बातचीत शिकायतकर्ता द्वारा रिकॉर्ड कर ली गई थी।

शिकायतकर्ता रिश्वत नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने विजीलेंस ब्यूरो रेंज जालंधर से संपर्क किया। उसकी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए विजीलेंस टीम ने एक जाल बिछाया, जिसके दौरान दोनों आरोपियों पटवारी और निजी एजेंट को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 5,000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों काबू कर लिया गया।

मान की भ्रष्टाचार पर 'टू-टू' ने पूरे पंजाब में करवाई 'थू-थू' : अशोक सरीन हिक्की



• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

भारतीय जनता पार्टी जालंधर शहरी द्वारा जिला अध्यक्ष अशोक सरीन हिक्की की अध्यक्षता में पंजाब की भगवंत मान सरकार के खिलाफ स्थानीय शहीद-ए-आजम भगत सिंह चौक में जोरदार रोष प्रदर्शन किया गया। इस दौरान सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और वरिष्ठ नेताओं ने मुख्यमंत्री भगवंत मान का पुतला फूंककर पंजाब सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

प्रदर्शन में मुख्य रूप से भाजपा पंजाब के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जालंधर के पूर्व मेयर राकेश राठौर, पूर्व संसदीय सचिव कृष्ण देव भंडारी, अनुसूचित जाति मोर्चा पंजाब के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक शीतल अंगुराल, वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश ढल्ल, पार्षद अमित ढल्ल, पूर्व विधायक सरबजीत सिंह मक्कड़, पूर्व जिला अध्यक्ष सुभाष सूद तथा रवि महेंद्रू विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक सरीन हिक्की ने पंजाब सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के कैंप कार्यालय से जुड़े भ्रष्टाचार के मामलों में केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई ने आम आदमी पार्टी की तथाकथित ईमानदार राजनीति की पोल खोल दी है। उन्होंने कहा कि जो लोग सत्ता में आने से पहले भ्रष्टाचार खत्म करने के बड़े-बड़े दावे करते थे, आज वही भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे लोगों का संरक्षण करते दिखाई दे रहे हैं। अशोक सरीन हिक्की ने कहा, "भगवंत मान की भ्रष्टाचार पर 'टू-टू' ने पूरे पंजाब में 'थू-थू' करवा दी है।

डिप्टी कमिश्नर ने टीबी के खात्मे के लिए सराहनीय कार्य करने वाली पंचायतों को किया सम्मानित

लगातार तीन साल टी.बी. मुक्त रहने पर गांव 'जफ्फल झींगड़' को गोल्ड सर्टिफिकेट से सम्मानित

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर



डिप्टी कमिश्नर वरजीत वालिया ने 'टी.बी. मुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय समारोह के दौरान टी.बी. के खात्मे के लिए सराहनीय कार्य करने वाली 91 पंचायतों को सम्मानित किया। यहां जिला प्रशासकीय कॉम्प्लेक्स में आयोजित सादे लेकिन प्रभावशाली समारोह के दौरान डिप्टी कमिश्नर वरजीत वालिया ने 91 टी.बी. मुक्त पंचायतों को सर्टिफिकेट सौंपे। इस अवसर पर उनके साथ सिविल सर्जन डा. राजेश गर्ग और जिला टी.बी. अधिकारी डा. रीतू दादरा भी मौजूद थे।

आज सम्मानित हुई 91 पंचायतों में से एक गांव गोल्ड, 19 सिल्वर और 71 गांव ब्रॉन्ज श्रेणी में शामिल हैं। ब्लॉक काला बकरा के अंतर्गत आने वाले गांव 'जफ्फल झींगड़' को वर्ष 2023, 2024 और 2025 के दौरान लगातार तीन साल टी.बी. मुक्त रहने पर गोल्ड सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया। जबकि 19 गांवों को लगातार दो साल टी.बी. मुक्त रहने पर सिल्वर और पहले साल टी.बी. मुक्त होने का लक्ष्य हासिल करने पर 71 गांवों को ब्रॉन्ज सर्टिफिकेट दिए गए। समारोह के दौरान डिप्टी कमिश्नर वरजीत वालिया ने सम्मानित सभी पंचायतों, सरपंचों और स्वास्थ्य विभाग की टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि गांव जफ्फल झींगड़ द्वारा गोल्ड श्रेणी हासिल करना गर्व की बात है और बाकी गांवों को भी इससे प्रेरणा लेनी चाहिए।

समारोह के दौरान जिले के सभी 9 ब्लॉकों में जोश (ज्वाइंट स्क्वाड फॉर हेल्थ) टीमों को भी औपचारिक तौर पर रवाना किया गया। यह टीमें गांव-गांव जाकर लोगों को टी.बी. के लक्षणों, इसके फैलाव और रोकथाम के बारे में विशेष तौर पर जागरूक करेंगी ताकि कोई भी मरीज इलाज से वंचित न रहे। प्रत्येक टीम में एक नोडल अधिकारी, 5 एन.सी.सी. कैडेट और 5 माई भारत स्वयंसेवक शामिल किए गए है। इसके अलावा 'टी.बी. विजेताओं' को भी इस अभियान से जोड़ा गया है।

वालिया ने जोश टीमों को घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करने और टी.बी. के खिलाफ अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर सिविल सर्जन डा. राजेश गर्ग ने बताया कि जिले के सभी सरकारी अस्पतालों में टी.बी. की मुफ्त जांच और पूरा इलाज उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि 91 गांवों को टी.बी. मुक्त बनाने में सरपंचों, स्वास्थ्य कर्मचारियों और फील्ड टीमों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

जिला टीबी अधिकारी डा. रीतू दादरा ने बताया कि टी.बी. जैसी बीमारी को जड़ से खत्म करने के लिए समय पर जांच और पूरा कोर्स करना बहुत जरूरी है। उन्होंने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि यदि किसी भी व्यक्ति को दो हफ्तों से अधिक समय तक खांसी रहती है, तो तुरंत डॉक्टर से जांच करवाएं।

इस अवसर पर डा. रघू सभरवाल, डा. मोहित चंद्र, डा. विवेक बरमोतरा, डा. ज्योति बाला, डिप्टी एम.ई.आई.ओ. असीम शर्मा, डिप्टी एम.आई.आई.ओ. रविंदर जस्सल, विभिन्न गांवों के सरपंच, टी.बी. स्टाफ अमित, सुनीता, नीलम और स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी/कर्मचारी भी मौजूद थे।

जालंधर के रेडक्रॉस भवन की दीवार पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखने के आरोप में एसएफजे के दो सदस्य गिरफ्तार



जालंधर (जालंधर ब्रीज). जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित संगठन सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) से जुड़े दो कथित सदस्यों को रेडक्रॉस भवन की बाहरी दीवार पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह जानकारी जालंधर के पुलिस कमिश्नर सतिंदर सिंह, आईपीएस ने दी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुखप्रीत सिंह और राजदीप सिंह, दोनों निवासी गांव निहालूवाल, जालंधर ग्रामीण, के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों का पहले से आपराधिक रिकॉर्ड है और उनके खिलाफ आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अपराध में इस्तेमाल की गई हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी बरामद की है। पुलिस के मुताबिक, 29 सितंबर 2026 को जालंधर स्थित रेडक्रॉस भवन की बाहरी दीवार पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखे पाए गए थे। इसके बाद प्रतिबंधित संगठन सिख्स फॉर जस्टिस के कथित मास्टरमाइंड गुरपतवंत सिंह पन्नू की ओर से भी इस संबंध में एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल किया गया था। पुलिस कमिश्नर सतिंदर सिंह ने बताया कि घटना के तुरंत बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

भारतीय डाक द्वारा 9 से 15 अक्टूबर 2026 तक डाक सप्ताह का आयोजन

• **जालंधर ब्रीज.** पटियाला

भारतीय डाक, पटियाला डाक मंडल द्वारा 09 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2026 तक डाक सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान डाक विभाग की गौरवशाली विरासत, विभिन्न डाक एवं वित्तीय सेवाओं तथा नागरिक-केंद्रित सेवाओं के प्रति आम जनता में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। डाक सप्ताह भारतीय डाक की सेवाओं के बारे में आम जनता को जागरूक करने तथा डाकघर एवं आम नागरिकों के बीच संबंधों को और अधिक मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। डाक सप्ताह के दौरान पटियाला डाक मंडल द्वारा आम नागरिकों, विद्यार्थियों, व्यवसायियों एवं समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचा कर उन्हें डाकघर के माध्यम से उपलब्ध विभिन्न सेवाओं से अवगत कराने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे।

डाक सप्ताह के दौरान दिवसवार गतिविधियां इस प्रकार हैं: 09 अक्टूबर 2026 - विश्व डाक दिवस, 12 अक्टूबर 2026 - फन एवं फिलेटली दिवस, 13 अक्टूबर 2026 - वित्तीय समावेशन एवं ग्राहक सेवा दिवस, 14 अक्टूबर 2026 - मेल एवं पार्सल दिवस, 15 अक्टूबर 2026 - प्रौद्योगिकी एवं नवाचार दिवस।

डाक सप्ताह के माध्यम से यह संदेश भी दिया जाएगा कि भारत डाक केवल डाक पहुंचाने वाली संस्था ही नहीं, बल्कि संचार, वित्तीय समावेशन, ई-कॉमर्स, बीमा तथा विभिन्न नागरिक-केंद्रित सेवाओं के क्षेत्र में जनता का एक विश्वसनीय भागीदार है। आम जनता से अपील की जाती है कि वे डाक सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लें तथा अपने निकटतम डाकघर में उपलब्ध विभिन्न सेवाओं का लाभ उठाएं। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारे लैंडलाइन दूरभाष नंबर 0175-2215557 पर संपर्क करें अथवा ई-मेल के माध्यम से dopatiala.pb@indiapost.gov.in पर संपर्क किया जा सकता है।

मान सरकार की ओर से दुकानदारों को दिवाली का तोहफा

हरजोत बैंस ने दुकानदारों को मालिकाना हक देने के लिए 'मेरी दुकान, मेरे नाम' योजना की शुरुआत की

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़



राज्य के लाखों दुकानदारों और छोटे व्यापारियों को दिवाली के त्योहार से पहले तोहफा देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा आज 'मेरी दुकान, मेरे नाम' योजना की शुरुआत की गई है। इस योजना से नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पंचायतों के अधीन 12 वर्षों से अधिक समय से किराए या लीज पर कानूनी रूप से दुकानें चला रहे दुकानदारों के लिए इन दुकानों का मालिक बनने का रास्ता साफ हो गया है। आज यहां पंजाब भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इस योजना की घोषणा करते हुए पंजाब के स्थानीय निकाय मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि इस योजना के तहत योग्य दुकानदार अपनी दुकानों के मालिकाना हक प्राप्त करने के योग्य हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि 1 अप्रैल 2020 से पहले के 12 वर्षों के कानूनी कब्जे को साबित करने वाला कोई भी दुकानदार इस योजना के लिए आवेदन करने का पात्र होगा। इस पहल का लाभ नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पंचायतों के अधीन काम कर रहे उन व्यापारियों को मिलेगा, जो बिना मालिकाना हक के किराए या लीज पर दुकानें चला रहे हैं।

बैंस ने बताया कि इस संबंध में आवेदन 6 नवंबर 2026 तक नगर परिषद और नगर निगम कार्यालयों में जमा करवाए जा सकते हैं और यह पूरी प्रक्रिया समयबद्ध होगी। आवेदनों की जांच एस.डी.एम. स्तर की कमेटी द्वारा की जाएगी, जबकि कीमत निर्धारित करने का कार्य डी.सी. स्तर की कमेटी करेगी और संबंधित स्थानीय संस्थाओं द्वारा प्रस्ताव पारित किया जाएगा। कीमतों के वर्गीकरण के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि 3 लाख रुपये से कम वार्षिक आय वाले आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के आवेदकों को कलेक्टर रेट का केवल 12.5 प्रतिशत भुगतान करना होगा। इसी तरह 3 से 8 लाख रुपये की आय वाले निम्न आय वर्ग (एलआईजी) के आवेदक 25 प्रतिशत, 8 से 15 लाख रुपये की आय वाले मध्यम आय वर्ग (एमआईजी) के आवेदक 50 प्रतिशत और 15 लाख रुपये से अधिक आय वाले आवेदक कलेक्टर रेट का 100 प्रतिशत भुगतान करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि ये रियायती दरें 50 वर्ग मीटर से कम क्षेत्रफल वाली दुकानों पर लागू होंगी।

श्रेयस अय्यर ने शतक लगाकर आईसीसी टी20 रैंकिंग के टॉप 10 में बनाई जगह



फोटो-बीसीसीआई

स्पोर्ट्स डेस्क. भारत के कप्तान श्रेयस अय्यर आईसीसी मेन्स टी20 प्लेयर रैंकिंग में सबसे तेज़ी से आगे बढ़ने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। अपने पहले टी20 शतक की बदौलत वे अपने इंटरनेशनल करियर में पहली बार टॉप 10 में जगह बनाने में कामयाब रहे। लखनऊ में वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की पांच मैचों की सीरीज़ के पहले मैच में अय्यर ने शानदार शतक लगाया, जिससे आईसीसी की रैंकिंग में उन्हें 18 पायदान का ज़बरदस्त उछाल मिला। 31 साल के दाएं हाथ के बल्लेबाज़ अब टी20 बल्लेबाज़ों की रैंकिंग में सातवें स्थान पर हैं, जो उनके करियर का एक अहम पड़ाव है। भारत के स्पिनर अक्षर पटेल 16 पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुँच गए हैं, जबकि बांग्लादेश के नसुम अहमद (तीन पायदान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान पर) और महेदी हसन (10 पायदान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर) भी रैंकिंग में तेज़ी से आगे बढ़ने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं। हाल ही में भारत में हुई सीरीज़ के बाद वनडे रैंकिंग में भी कुछ बदलाव हुए हैं, जिसमें भारत और वेस्टइंडीज़ के खिलाड़ियों को सबसे ज़्यादा फ़ायदा हुआ है। वनडे रैंकिंग में, गुवाहाटी में वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ सीरीज़ जिताने वाले दूसरे वनडे मैच में शुभमन गिल की रिकॉर्ड-तोड़ नाबाद 223 रनों की पारी ने बल्लेबाज़ों की रैंकिंग में उनकी बढ़त को और मज़बूत कर दिया है। अब वह 841 रेटिंग पॉइंट्स के साथ टॉप पर हैं।

सीरीज़ के आखिरी मैच में 162 रनों की पारी खेलने के बाद वेस्टइंडीज़ के कप्तान शाई होप वनडे बल्लेबाज़ों की अपडेटेड लिस्ट में दो पायदान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुँच गए हैं, जबकि भारत के अनुभवी खिलाड़ी केएल राहुल सात स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर पहुँच गए हैं।

आज 19,200 सरकारी स्कूलों में करवाई जाएगी 'मेगा पीटीएम', 25 लाख अभिभावक होंगे शामिल

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). भगवंत मान सरकार द्वारा 9 अक्टूबर 2026 को राज्य के सभी 23 जिलों के लगभग 19,200 सरकारी प्राथमिक, मिडिल, हाई और सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में मेगा 'माता-पिता-शिक्षक मिलनी' आयोजित की जाएगी, जिसमें लगभग 25 लाख अभिभावकों के शामिल होने की संभावना है। 'हर दिन, एक कदम आगे' विषय के तहत आयोजित इस पहल के माध्यम से अभिभावक और शिक्षक मिलकर प्रत्येक बच्चे की प्रगति का जश्न मनाएंगे, उन क्षेत्रों को समझेंगे जिनमें बच्चे को सहायता की आवश्यकता हो सकती है और बच्चे की शिक्षा के अगले चरणों के लिए संयुक्त रूप से योजना बनाएंगे। यह बड़े स्तर की पहल भारत सरकार द्वारा देश में शिक्षा के क्षेत्र में नंबर एक रहने के लिए दी गई मान्यता को और मजबूत करेगी।

यह मेगा पीटीएम अभिभावकों को अपने बच्चे के शिक्षक के साथ बैठकर यह समझने का अवसर देगी कि उनका बच्चा किस क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है, उसे कहां सहायता की आवश्यकता हो सकती है और घर से मिलने वाला प्रोत्साहन तथा स्कूल में मिलने वाली सहायता बच्चे का भविष्य संवारने में किस प्रकार सहायक हो सकती है। इस संबंध में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'हर मां-बाप अपने बच्चे को आगे बढ़ता देखना चाहता है। यह मेगा पीटीएम प्रत्येक बच्चे का भविष्य संवारने और पंजाब के स्कूलों को विश्व में नंबर एक बनाने का एक अवसर है। जब स्कूल और परिवार मिलकर अगला कदम उठाते हैं तो हमारे बच्चों में विश्व स्तर पर नेतृत्व करने और प्रगति करने के लिए आत्मविश्वास पैदा हो जाता है।' इस अवसर पर अभिभावकों के साथ व्यक्तिगत बैठकें करके संबंधित शिक्षक प्रत्येक बच्चे का रिपोर्ट कार्ड साझा करेंगे।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at DB Corp Ltd, J7 NEAR BUS STAND SUBHANPUR (HAMIRA), KAPURTHALA, PUNJAB - 144808, and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.